|| श्री महावीराय नमः ||

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पाठशाला

नियमावली पाठशाला के विद्यार्थियों के लिए

1. प्रतिदिन देव दर्शन करना।
2. रात्रि में भोजन नहीं करना।
3. अष्टमी चतुर्दशी आदि पर्व के दिनों में आलू प्याज आदि जमी कंद का त्याग करना।
4. प्रतिदिन प्रार्थना के पूर्व ही पाठशाला आना।
5. मंदिर जी में चमड़े के जूते, चप्पल आदि पहनकर न आना अथवा हमेशा के लिए प्याग करना।
6. शराब पीना, माँस खाना, शहद खाना, पर स्त्री सेवन, वेश्या गमन जुआ खेलना शिकार करना रूप सप्त व्यसन आदि का त्याग करना।
7. पाठशाला में पढ़ाने वाली शिक्षिका दीदी अथवा संचालक गण की बात मानना एवं विनय पूर्वक उनका सम्मान करना, एवं सभी से जयजिनेन्द्र करना।
8. सप्ताह के पाँच दिन (सोमवार से शुक्रवार) पाठशाला गणवेश में आना।
9. रविवार के दिन पाठशाला के विद्यार्थियों द्वारा की जाने वाली सामूहिक पूजन में पाठशाला गणवेश में समय पर उपस्थित होना एवं स्वल्पाहार का लाभ लेना।
10. पाठशाला में आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा, सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागी बनना।
11. बेटे, बेटियाँ आपस में भैया एवं बहिन शब्द जोड़कर आपस में संबोधन करें जैसे आर्यम भैया वाग्मी बहिन इत्यादि।
12. पाठशाला में दिये जाने वाले नियम का पालन करना एवं नियम टूटने पर प्रायश्चित्त स्वीकार करना।

विशेष

1. पाठशाला का टूर (तीर्थयात्रा गुरुवंदना) नगर से बाहर जाने पर आठ वर्ष से कम उम्र के बच्चों को नहीं ले जाया जावेगा। उन्हें आस-पास की यात्रा कराई जावेगी।
2. पाठशाला में बिना आवेदन दिये 25 दिनों से कम उपस्थिति होने पर विद्यार्थियों को सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग एवं यात्रा में जाने की पात्रता एवं अनिवार्यता नहीं रहेगी एवं पाठशाला की सुविधाएं नहीं मिलेगी।
3. बच्चों के माता-पिता को पालक सम्मेलन (पेरेन्टस मीटिंग) में उपस्थिति अनिवार्य होगी।
4. बच्चों का नामांकन (एडमीशन) होने पर ही उन्हें बैग, पेन, पेन्सिल, जन्मदिन गिफ्ट एवं रविवारीय गिफ्ट इत्यादि सामग्री प्रदान की जावेगी।

स्थान : श्री पार्श्वनाथ दिगं.जैन सेमरा मंदिर, पथरिया, दमोह (म.प्र.)

Scanned by CamScanner